परमेश्वर एक भला परमेश्वर है

आशीष रायचूर

केवल निःशुल्क वितरण के लिए

ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच, बैंगलोर, भारत द्वारा निर्मित और वितरित।
वर्तमान संस्करणः 2023

संपर्क जानकारी

All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: **bookrequest@apcwo.org**
Website: **apcwo.org**

अन्यथा जबतक इंगित न किया हो धर्म शास्त्र के सभी संदर्भ पवित्र बाइबल के पुनःसंपादित पुराने संस्करण से अनुमति सहित लिए गए हैं। सर्वाधिकार आरक्षित है।

आर्थिक साझेदारी

इस पुस्तक का निःशुल्क वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों की आर्थिक सहायता की वजह से सम्भव हुआ है। यदि आपने इस निःशुल्क प्रकाशन के माध्यम से आशीष पाई है, तो हम आपको ऑल पीपल्स चर्च के निःशुल्क प्रकाशनों के मुद्रण और वितरण में सहायता के लिए आर्थिक रूप से योगदान देने हेतु आमंत्रित करते हैं। कृपया **apcwo.org/give** पर जाएं या अपना योगदान कैसे करें यह देखने हेतु इस पुस्तक के पीछे "ऑल पीपल्स चर्च के साथ प्रतिभागिता" पृष्ठ देखें। धन्यवाद!

निःशुल्क संसाधन

उपदेशः apcwo.org/sermons | **पुस्तकेंः** apcwo.org/books | **चर्च ऐपः** apcwo.org/app
बाइबिल कॉलेजः apcbiblecollege.org | **ई-लर्निंगः** apcbiblecollege.org/elearn
परामर्शः chrysalislife.org | **संगीतः** apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिपः pamfi.org | **ए.पी.सी. वर्ल्ड मिशंसः** apcworldmissions.org

(Hindi - God is a Good God)

परमेश्वर एक
भला परमेश्वर है

विषयसूची

1. परमेश्वर के विषय में हमारी तस्वीर 1

2. परमेश्वर की सत्य तस्वीर बेपर्दा है 2

3. परमेश्वर के विषय में महत्वपूर्ण सत्य 5

4. परमेश्वर एक भला परमेश्वर है 8

5. यीशु मसीह—अदृश्य परमेश्वर का सही प्रतिरूप 11

1
परमेश्वर के विषय में हमारी तस्वीर

परमेश्वर के विषय में हमारी तस्वीर विभिन्न स्त्रोतों के द्वारा "विकसित" होती है—अन्य लोगों ने परमेश्वर के विषय क्या कहा है, हमारे अनुभवों, आभासों, अध्ययन, विश्लेषण के परिणाम आदि। परन्तु इनमें से सब बातें ठीक नहीं हो सकती हैं। उदारहण के लिए, बीमा करने वाली कम्पनियाँ प्रायः अचानक आने वाली विपत्तियों को खराब मौसम से जोड़ देती हैं—भूकम्प, चक्रवात और प्रचण्ड तूफानवे—इन्हें "ईश्वर की क्रिया" कहते हैं। जब हम इस प्रकार की चर्चा को सुनते हैं तो हम परमेश्वर के विषय में गलत समझ का विकास करते हैं। हम यह समझने लगते हैं कि यह परमेश्वर ही है जो समय समय पर चक्रवात, भूकम्प और अन्य विपत्तियाँ लाता है।

उद्धार पाने और लम्बे समय तक मसीही होने के बाद भी परमेश्वर के विषय में हमारी तस्वीर धुंधली, अधूरी और गलत होती है। हमारे पास परमेश्वर की सही तस्वीर नहीं है। पिछले अनुभवों के आधार पर हम परमेश्वर के विषय बहुत से पक्षपातपूर्ण विचार, अशुद्ध धारणाएँ और गलत अर्थ रखते हैं कि परमेश्वर कौन है, वह क्या और कैसे काम करता है। कभी-कभी तो जो हमने धार्मिक स्थलों पर, और धार्मिक पुस्तकों में पढ़ा है वह भी परमेश्वर को गलत रूप में प्रस्तुत करता है और परिणाम स्वरूप परमेश्वर की तस्वीर हमारे समक्ष गलत होती है। हम यहाँ तक सोच सकते हैं कि हम सही हैं, परन्तु वास्तव में परमेश्वर के विषय हमारी तस्वीर गलत हो सकती है।

2
परमेश्वर की सत्य तस्वीर बेपर्दा है

रोमियों 1:20-23
20 क्योंकि उसके अनदेखे गुण, अर्थात् उस की सनातन सामर्थ, और परमेश्वरत्व जगत की सृष्टि के समय से उसके कामों के द्वारा देखने में आते हैं, यहां तक कि वे निरुत्तर हैं।
21 इस कारण कि परमेश्वर को जानने पर भी उन्होंने परमेश्वर के योग्य बड़ाई और धन्यवाद न किया, परन्तु व्यर्थ विचार करने लगे, यहां तक कि उन का निर्बुद्धि मन अन्धेरा हो गया।
22 वे अपने आपको बुद्धिमान जताकर मूर्ख बन गए।
23 और अविनाशी परमेश्वर की महिमा को नाशमान मनुष्य, और पक्षियों, और चौपायों, और रेंगनेवाले जन्तुओं की मूरत की समानता में बदल डाला।

परमेश्वर का स्वभाव हमारे लिए उसकी सृष्टि में प्रकट किया गया है। उसका अदृश्य परमेश्वरत्व उसकी अनन्त सामर्थ और महानता उसकी सृष्टि में स्पष्ट दिखाई देती है। सृष्टि स्वयं इसके रचयिता की महिमा के विषय बताती है (भजन संहिता 19:1-3)। परन्तु दुख की बात है कि लोग "सृष्टिकर्ता" के बजाय "सृष्टि" की आराधना करने लगे। यद्यपि हम सृष्टि कर्ता के बारे में उसकी सृष्टि को देखने के द्वारा जान सकते हैं, परन्तु हमें बहुत सावधान रहना चाहिए कि हम कहीं उसकी सृष्टि में से ही एक ईश्वर न बना लें।

2 तीमुथियुस 3:16
हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने और धर्म की शिक्षा के लिये लाभदायक है।

सृष्टि के अतिरिक्त हमारे पास परमेश्वर का वचन—बाइबल है—जो हमारे समक्ष परमेश्वर की सही तस्वीर प्रकट करती है, क्योंकि बाइबल ऐसी पुस्तक है जिसे परमेश्वर ने लिखा है। समस्त धर्मशास्त्र हमें परमेश्वर की प्रेरणा से दिया गया है। हम जानते हैं कि सारा धर्मशास्त्र परमेश्वर

की श्वांस और परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है। परमेश्वर का हाथ उन लोगों पर था जिन्होंने इसे लिखा है और इसलिए बाइबल परमेश्वर के स्वयं का प्रकाशन है कि वह कौन है—उसके गुण और उसकी उपाधियाँ क्या हैं।

हम बाइबल में परमेश्वर के बहुत से गुणों और उपाधियों के बारे में पढ़ते हैं:

- **परमेश्वर स्वयंभू है।** परमेश्वर अपने अस्तित्व हेतु किसी अन्य स्त्रोत पर निर्भर नहीं है।
- **परमेश्वर अनन्त काल तक है।** समय से पहले परमेश्वर था और वह सदा सर्वदा तक रहेगा।
- **परमेश्वर सृष्टिकर्ता है।** परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है।
- **परमेश्वर सर्वशक्तिमान है।** वह सबसे अधिक सामर्थी है।
- **परमेश्वर के पास सारी बुद्धि और सारा ज्ञान है।** वह सर्वज्ञानी है।
- **वह सब जगहों पर सब समयों में उपस्थित है।** वह सर्वव्यापी है। उसकी उपस्थिति को समय और स्थान नियन्त्रित नहीं कर सकता है।
- **परमेश्वर व्यक्तिगत आत्मा है।** वह आत्मा है परन्तु वह व्यक्ति है। उसकी भावनाएं और इच्छाएं हैं।
- **परमेश्वर असीमित है।** परमेश्वर सारे परिमाणों के बाहर है।
- **परमेश्वर अपरिवर्तनीय है।** वह बदलता नहीं है। हम वृद्ध होते हैं और हमारे व्यक्तित्व में भी परिर्वतन आते हैं। परन्तु परमेश्वर एक सा ही है। उसे परिपक्व होने की आवश्यकता नहीं है।
- **परमेश्वर संप्रभुताकारी है।** उसे आपकी और मेरी सलाह की आवश्यकता नहीं है। वह वही करता है जिसमें वह आनन्दित होता है।
- **परमेश्वर पवित्र है।**
- **परमेश्वर धर्मी है।**

- **परमेश्वर न्यायी है।**
- **वह सत्य का परमेश्वर है।**
- **वह प्रेमी परमेश्वर है।**
- **वह भलाई करनेवाला परमेश्वर है।** परमेश्वर भला परमेश्वर है और हम परमेश्वर की इसी उपाधि पर अगले अध्यायों में चर्चा करेंगे।

3
परमेश्वर के विषय में महत्वपूर्ण सत्य

यहाँ परमेश्वर के विषय में कुछ महत्वपूर्ण सत्य हैं:

परमेश्वर की इच्छा सदैव उसके स्वभाव से मेल खाती है—वह कौन है

यदि हम यह जानते हैं कि परमेश्वर कौन है, तो हम यह भी जान लेंगे कि उसकी इच्छा क्या है। उसकी इच्छा हमारे विषय में उसके स्वभाव के विपरीत कभी नहीं हो सकती है—अथवा उससे कि वह कौन है। यदि हम कभी कहते हैं कि हम परमेश्वर की इच्छा नहीं जानते हैं, तो यह हो सकता है कि हम नहीं जानते कि वह कौन है। उदाहरण के लिए, हम उपवास और प्रार्थना इसलिए नहीं करते कि यह पता करें कि क्या उसकी इच्छा है कि वह पाप क्षमा करे। हम केवल प्रभु के पास जाते हैं यह जानते हुए कि उसका स्वभाव पाप क्षमा करने का है और परमेश्वर पाप क्षमा करेगा। यही बात एक बीमार व्यक्ति के बारे में भी लागू होती है। यह परमेश्वर की इच्छा है कि वह बीमार को चंगा करे क्योंकि वह चंगा करने वाला है और उसकी इच्छा उसके स्वभाव से मेल खाती है, क्योंकि वह कभी भी अपने स्वभाव का विरोध नहीं करेगा। इसलिए उसकी इच्छा है कि वह प्रत्येक बीमार व्यक्ति को चंगा करे। उसने कहा, *"मैं यहोवा राफा हूँ,"* इसके द्वारा उसने चंगा करने वाले परमेश्वर के रूप में अपना स्वभाव प्रकट किया।

परमेश्वर सब कुछ अपने स्वभाव और चरित्र के अनुरूप करता है

इसलिए यदि हम यह जानते हैं कि वह कौन है, तो हम यह भी जानेंगे कि वह क्या करता है। वे लोग जो विवाहित हैं इस बात को भली प्रकार समझ जाएंगे। मेरी पत्नि, एमी बता सकती है कि मैं एक विशेष परिस्थिति में क्या सोचता हूँ। मैं कैसा व्यवहार करता हूँ और मैं क्या करता हूँ, क्योंकि वह मुझे जानती है। इतने समय के दौरान उसने मेरा स्वाभव और चरित्र समझ

लिया है। इसी प्रकार, जब हम परमेश्वर को जानते हैं, हम जान जाते हैं कि वह क्या करता है। जो कुछ भी वह करता है वह सब कुछ उसके स्वभाव और चरित्र के अनुरूप होता है।

जैसा हमने पहले कहा है, बाइबल हमारे समक्ष परमेश्वर को प्रकट करती है। इसलिए वह हमारे लाभ के लिए ही है कि हम बाइबल पढ़कर यह समझें कि परमेश्वर कौन है और उसका स्वभाव व चरित्र कैसा है।

परमेश्वर कभी कुछ ऐसा नहीं करता या कहता है जो उसके स्वभाव और चरित्र के विरोध में हो

परमेश्वर यह नहीं कहता है, "मैं सत्य का परमेश्वर हूँ, परन्तु मैं कभी-कभी झूठ बोलता हूँ।" वह यह कभी नहीं कह सकता, "मैं भला परमेश्वर हूँ परन्तु कभी-कभी मैं बुरे काम करता हूँ।" इसलिए वह अपने स्वभाव के विरोध में कुछ नहीं करेगा। इससे हमारे लिए यह आसान हो जाता है कि यह परमेश्वर की ओर से है, शैतान की ओर से अथवा मेरे स्वयं को ओर से। इससे यह निश्चय करना आसान हो जाता है, कि जो हम सुन रहे हैं क्या वह परमेश्वर के स्वभाव और चरित्र के अनुरूप है, तब वह परमेश्वर की ओर से है। यदि यह उसके स्वभाव के विपरीत है, तो यह परमेश्वर की ओर से नहीं है। इसलिए यदि हम जानते हैं कि वह कौन है तो हम जान लेंगे कि वह क्या कहता है और क्या करता है।

परमेश्वर की शक्ति असीमित है तौभी कुछ कार्य हैं जो परमेश्वर नहीं करेगा

परमेश्वर ने घोषणा की है कि कुछ ऐसे कार्य हैं जिन्हें वह नहीं करेगा। उदाहरण के लिए:

- परमेश्वर अपना इन्कार नहीं कर सकता (2 तीमुथियुस 2:13)।
- वह झूठ नहीं बोल सकता (तीतुस 1:2)।
- वह पाप नहीं कर सकता (याकूब 1:13)।

वह ये कार्य नहीं कर सकता है क्योंकि ये उसके स्वभाव के विपरीत हैं। वह कभी भी अविश्वासयोग्य नहीं हो सकता, झूठ नहीं बोल सकता अथवा प्रेम करना बन्द नहीं कर सकता है।

परमेश्वर मनुष्य की भेदज्ञान की स्वतंत्र इच्छा (चुनाव करने की इच्छा) के ऊपर अपनी इच्छा नहीं थोपेगा

अपनी सम्प्रभुसत्ता में परमेश्वर ने यह चुनाव किया है कि वह हमारी भेदज्ञान की स्वतन्त्र इच्छा, हमारी अच्छे-बुरे को चुनने की इच्छा पर अपना अधिकार न रखे। इसी लिए उसने आदम और हव्वा को पाप करने से नहीं रोका। यदि परमेश्वर हमारी भेद ज्ञान की स्वतन्त्र इच्छाओं पर अधिकार रखता तो हम मानव प्राणी नहीं बल्कि रोबोट (यन्त्र मानव) होते। और परमेश्वर ने रोबोट की सृष्टि नहीं की। उसने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया और उन्हें स्वतन्त्र इच्छा दी। वह हमारी स्वतन्त्र इच्छाओं के ऊपर अपनी इच्छा नहीं थोपेगा—हमारी चुनाव करने की इच्छा पर। वह हमारी इच्छा को प्रभावित करेगा, सुधारेगा, मार्गदर्शन करेगा, हममें काम करेगा, अपना वचन देगा, अपनी आत्मा से हमें सामर्थी बनाएगा परन्तु हमारे लिए चुनाव कभी नहीं करेगा। इसीलिए परमेश्वर लोगों को नर्क में जाने की अनुमति देता है। उसकी यह इच्छा है कि सब लोग बचाए जाएं, परन्तु लोग फिर भी चुनाव करते हैं कि वे नर्क में जाएं। परमेश्वर ने कभी कुछ लोगों से नहीं कहा कि वे नर्क में जाएं और अन्य लोगों से कि वे स्वर्ग में जाएं। यह पक्षपात होगा। लोग स्वयं चुनाव करते हैं। इसलिए जब हम कहते हैं कि परमेश्वर नियन्त्रण करता है तो सामान्य रूप से यह सही है। परन्तु विशेषरूप से, हमारी स्वतन्त्र इच्छाओं और चुनावों पर परमेश्वर नियन्त्रण नहीं करता है जिन्हें हम इस पृथ्वी पर करते हैं। यदि हम कुछ ऐसा करने का निर्णय करते हैं जो वास्तव में मूर्खतापूर्ण और विनाशकारी है तो यह हमारा चुनाव है।

4
परमेश्वर एक भला परमेश्वर है

परमेश्वर के विषय में बहुत सी बातें जो बाइबल में हमारे लिए प्रकट की गई हैं, उनमें एक सत्य है जो पूरे धर्मशास्त्र में दोहराया गया है वह है—परमेश्वर एक भला परमेश्वर है।

भजन संहिता 34:8
परखकर देखो कि यहोवा कैसा भला है! क्या ही धन्य है वह पुरुष जो उसकी शरण लेता है।

भजन संहिता 100:5
क्योंकि यहोवा भला है, उसकी करुणा सदा के लिये, और उसकी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है।

भजन संहिता 107:1,8
1 यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करुणा सदा की है! सदा की है!
8 लोग यहोवा की करुणा के कारण, और उन आश्चर्यकर्मों के कारण, जो वह मनुष्यों के लिये करता है, उसका धन्यवाद करें!

जब सब कुछ ठीक होता है तो हम सामान्यतः परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं और उसकी भलाई के लिए उसकी प्रशंसा करते हैं। फिर भी "सब कुछ ठीक नहीं होता" तो हम सोचने लगते हैं कि अब परमेश्वर भला नहीं रहा। जब हम प्रातःकाल कुछ घण्टों तक प्रार्थना करते हैं तो हम सोचते हैं कि उस दिन परमेश्वर हमारे लिए बहुत अच्छा होगा। परन्तु अगले दिन जब हम केवल कुछ मिनट तक प्रार्थना करते हैं तो हम सोचते हैं कि उस दिन वह हमारे लिए भला परमेश्वर नहीं होगा। हम सब कभी न कभी ऐसा सोचने

के दोषी पाए जाते हैं कि परमेश्वर की भलाई इस बात पर निर्भर है कि हम कितने समय तक प्रार्थना करते हैं! परन्तु परमेश्वर भला है क्योंकि वह ऐसा ही है और हमारे लिए भला बना रहेगा, चाहे हम प्रार्थना करें या न करें।

हममें से कुछ लोग सोचते हैं कि परमेश्वर केवल मसीहियों के लिए ही भला है, परन्तु वचन कहता हैः

भजन संहिता 145:8,9
8 यहोवा अनुग्रहकारी और दयालु, विलम्ब से क्रोध करनेवाला और अति करुणामय है।
9 यहोवा सभों के लिये भला है, और उसकी दया उसकी सारी सृष्टि पर है।

परमेश्वर सबके लिए भला है। उन लोगों के लिए भी जो हमें सताते हैं। परमेश्वर पापी के लिए भी भला है ना कि सिर्फ चर्च जाने वालों के लिए ही!

मत्ती 5:45
जिससे तुम अपने स्वर्गीय पिता की सन्तान ठहरोगे क्योंकि वह भलों और बुरों दोनों पर अपना सूर्य उदय करता है, और धर्मियों और अधर्मियों दोनों पर मेंह बरसाता है।

इसलिए एक पापी को यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि अपने आप को साफ सुथरा करे और सब बातें ठीक करके कलीसिया में चले जाए ताकि परमेश्वर उसके साथ भलाई कर सके। परमेश्वर *"यहोवा सभों के लिये भला है, और उसकी दया उसकी सारी सृष्टि पर है"* (भजन संहिता 145:9)। एक पापी को जैसा वह है उसी हालत में परमेश्वर के पास आने दीजिए—पाप में, उलझन आदि में—और परमेश्वर की भलाई उसे पश्चाताप् की ओर ले आएगी (रोमियो 2:4)।

क्योंकि परमेश्वर एक भला परमेश्वर है, वह चाहता है कि हमें अच्छी वस्तुएं दे। वह ऐसा कहकर अपना विरोधाभास नहीं कर सकता, "मैं एक भला परमेश्वर हूँ परन्तु मैं तुम्हारे लिए बुरी-बुरी चीजें चाहता हूँ।" वह जो कुछ कहता, करता और इच्छा करता है वे सदैव भली होती हैं।

क्योंकि परमेश्वर एक भला परमेश्वर है वह उदारता से देने वाला है

मत्ती 7:7-11

7 मांगो, तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूंढ़ो, तो तुम पाओगे; खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा।

8 क्योंकि जो कोई मांगता है, उसे मिलता है; और जो ढूंढ़ता है, वह पाता है? और जो खटखटाता है, उसके लिये खोला जाएगा।

9 तुम में से ऐसा कौन मनुष्य है, कि यदि उसका पुत्र उस से रोटी मांगे, तो वह उसे पत्थर दे?

10 वा मछली मांगे, तो उसे सांप दे?

11 सो जब तुम बुरे होकर, अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएं देना जानते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने मांगनेवालों को अच्छी वस्तुएं क्यों न देगा?

यदि सांसारिक पिता अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएं दे सकते हैं, तब परमेश्वर के पित्र-हृदय को कम न आंकें। परमेश्वर ही अन्ततः पिता है। और यदि हम जो बुरे हैं, अपने बच्चों को ऐसा प्रेम करते और उनकी चिन्ता करते हैं तब मैं आपको निश्चय दिला सकता हूँ कि परमेश्वर, जो असीमित महान है, वह अपने बच्चों के लिए अच्छी वस्तुएं चाहता है!

याकूब 1:17

क्योंकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से है, और ज्योतियों के पिता की ओर से मिलता है, जिस में न तो कोई परिवर्तन हो सकता है, और न अदल बदल के कारण उस पर छाया पड़ती है।

भजन संहिता 84:11

क्योंकि यहोवा परमेश्वर सूर्य और ढाल है; यहोवा अनुग्रह करेगा, और महिमा देगा; और जो लोग खरी चाल चलते हैं, उन से वह कोई अच्छा पदार्थ रख न छोड़ेगा।

परमेश्वर उत्तम और सिद्ध वरदानों को देने वाला है। वह अच्छी वस्तुएं हमसे छिपा कर नहीं रखेगा।

5

यीशु मसीह—अदृश्य परमेश्वर का सही प्रतिरूप

कुलुस्सियों 1:15
वह तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप ...

2 कुरिन्थियों 4:4
... मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है।

इब्रानियों 1:3
वह उसकी महिमा का प्रकाश, और उसके तत्व की छाप है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ के वचन से संभालता है: वह पापों को धोकर ऊंचे स्थानों पर महामहिम के दहिने जा बैठा।

यीशु परमेश्वर के व्यक्तित्व, उसकी इच्छा, उसके मन और भावनाओं का सही प्रतिरूप है। जब यीशु पृथ्वी पर चले फिरे थे उन्होंने कभी बुराई नहीं की। जब बीमार उसके पास आए, उसने उन्हें भगाया नहीं बल्कि उन सभों को चंगा किया। उसने रोटी और मछलियों को बढ़ाया और लोगों को खाना खिलाया—उनकी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति की। इस प्रकार उसने दिखाया कि परमश्ेवर कैसा है वह वास्तव में हमारे इस पृथ्वी पर के जीवनों में रुचि रखता है।

मत्ती 15:22
और देखो, उस देश से एक कनानी स्त्री निकली, और चिल्लाकर कहने लगी; हे प्रभु दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर, मेरी बेटी को दुष्टात्मा बहुत सता रहा है।

मत्ती 20:30
और देखो, दो अन्धे, जो सड़क के किनारे बैठे थे, यह सुनकर कि यीशु आ रहा है, पुकारकर कहने लगे; कि हे प्रभु, दाऊद की सन्तान, हम पर दया कर।

कनानी स्त्री और अंधे व्यक्ति ने यीशु की दया की मांग की और उसकी भलाई में, उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हो गई और वे चंगे हो गए। यीशु अदृश्य परमेश्वर का सही प्रतिरूप और उसका सत्य प्रकटीकरण है कि परमेश्वर कैसा है। हम भी परमेश्वर की भलाई की माँग कर सकते हैं और प्रतिदिन उसकी भलाई का अनुभव कर सकते हैं।

अपने आपको इन बातों के विषय में याद दिलाएं

- परमेश्वर की इच्छा सदैव उसके स्वभाव के अनुरूप होगी कि वह कौन है।

इसलिए यदि आप जानते हैं कि वह कौन है, तब आप यह भी जानेंगे कि उसकी इच्छा क्या है। कुछ लोगों को परमेश्वर की इच्छा जानने में डर लगता है कि कहीं वह डरावनी तो नहीं है। परमेश्वर की इच्छा के प्रति समर्पण आपके जीवन की सबसे अच्छी बात है। क्योंकि उसकी इच्छा आपके लिए सदैव भली है। प्रसन्न हो जाएं!

- परमेश्वर सब कुछ अपने स्वभाव और चरित्र के अनुरूप करता है।

इसलिए यदि आप जानते हैं कि वह कौन है, तो आप यह भी जान लेंगे कि वह क्या करता है। आप हियाव के साथ कह सकते हैं कि परमेश्वर भले काम करता है। जी हाँ, वह आपको चेतावनी देगा और सुधार करेगा परन्तु यह सब कुछ आपकी भलाई के लिए ही होगा!

परमेश्वर ऐसा कुछ नहीं कहता है और न करता है जो उसके स्वयं के स्वभाव और चरित्र के विरोध में हो!

परमेश्वर आपको बुरी बातें कभी नहीं कहेगा न ही भविष्यवाणी करके कहेगा, “तुम नरक में जाओगे।” वह केवल अच्छी बातें ही बोलता है और भलाई करता है। परमेश्वर इतना भला है कि वह बुराई कर ही नहीं सकता, इतना बुद्धिमान है कि कभी गलती नहीं करता है, इतना सच्चा है कि आपसे कभी झूठ नहीं बोलेगा और इतना शक्तिशाली है कि आपको गिरने नहीं देगा!

परन्तु यदि परमेश्वर एक भला परमेश्वर है तो इतनी बुरी बातें इस संसार में क्यों हो रही हैं?

प्रतिदिन समाचार पत्र हमें ऐसे लोगों की मृत्यु का समाचार सुनाते हैं जो प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, प्रचण्ड तूफानों और अन्य कारणों जैसे आतंकवादी गतिविधियों, अपराध जो नगरों में हो रहे हैं, इसके परिणाम स्वरूप मर रहे है। अतः यदि परमेश्वर एक भला परमेश्वर है तो ये सब बुरे कार्य क्यों होते हैं? और बुरे काम भले लोगों के साथ क्यों होते हैं?

परमेश्वर भला परमेश्वर है लेकिन इस पृथ्वी पर एक दुष्ट शैतान (इब्लिस) है। यह शैतान ही है जो लोगों को बुराई करने के लिए उकसाता है और प्रभावित करता है। दुख की बात है, लोग जाने में और अनजाने में शैतान के दूत बनकर इस पृथ्वी पर बुरे काम करते हैं। शैतान ने इस संसार में आदम के पाप के द्वारा प्रवेश किया। पृथ्वी आदम को दी गई थी और आदम ने परमेश्वर की आज्ञा न मानने के द्वारा इसका अधिकार शैतान के हाथों में हस्तान्तरित कर दिया। तौभी यह एक सीमित समय के लिए ही है। इसीलिए शैतान इस समय बहुत तेजी से अपना काम कर रहा (प्रकाशितवाक्य 12:12)। *"एक समय"* (मत्ती 8:29) आएगा जब शैतान का अधिकार समाप्त होगा और उसकी दुष्टात्माएं पृथ्वी पर से निकाल दी जाएंगी। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में प्रकट किया गया है कि परमेश्वर ने शैतान और उसकी दृष्टात्माओं के लिए क्या योजना बनाई है (प्रकाशितवाक्य 20:10,14)।

लूका 8:22-25

22 फिर एक दिन वह और उसके चेले नाव पर चढ़े, और उसने उनसे कहा; कि आओ, झील के पार चलें: सो उन्होंने नाव खोल दी।

23 पर जब नाव चल रही थी, तो वह सो गया: और झील पर आन्धी आई, और नाव पानी से भरने लगी और वे जोखिम में थे

24 तब उन्होंने पास आकर उसे जगाया, और कहा; स्वामी! स्वामी! हम नाश हुए जाते हैं: तब उसने उठकर आन्धी को और पानी की लहरों को डांटा और वे थम गए, और चैन हो गया।

25 और उसने उनसे कहा; तुम्हारा विश्वास कहां था? पर वे डर गए, और अचम्भित होकर आपस में कहने लगे, यह कौन है? जो आन्धी और पानी को भी आज्ञा देता है, और वे उसकी मानते हैं।

यीशु और उसके चेले तूफान में घिर गए थे (लूका 8:22-25)। स्वाभाविक रूप से चेले जो कर सकते थे वह उन्होंने किया। जब उन्हें कुछ सफलता नहीं मिली और उन्होंने सोचा कि अब हम डूब ही जाएंगे, तो उन्होंने यीशु को जगाया। यीशु अन्तिम प्रार्थना करने के लिए खड़े नहीं हुए यह मानकर कि यह परमेश्वर की अन्तिम इच्छा है कि ये तूफान में घिर कर मर जाएं। बल्कि उसने हियाव के साथ हवाओं और तूफान का डांटा और वह थम गया। हमें ये प्रश्न पूछने की आवश्यकता है—तूफान का कारण कौन था? क्या यह परमेश्वर था, अथवा शैतान या प्रकृति अपना काम कर रही थी?

यह परमेश्वर की ओर से नहीं हो सकता, नहीं तो यीशु पिता की इच्छा के विरोध में लड़ाई कर रहा होता। इसलिए यह केवल शैतान की ओर से अथवा प्रकृति के काम का परिणाम होगा। परमेश्वर ने कुछ नियमों को बनाया है। एक सेब को ऊपर हवा में फेंकने के बाद वह नीचे आता है, इसलिए नहीं कि परमेश्वर उसे पृथ्वी पर वापस भेजता है बल्कि गुरुत्वाकर्षण के कारण ऐसा होता है। उसने प्रकृति के नियम बनाए हैं। परन्तु शैतान प्राकृतिक तत्वों के साथ काम कर सकता है। अयूब अध्याय 1 और 2 में हम पढ़ते हैं कि शैतान परमेश्वर की उपस्थिति में से आया और मौसम के प्रभाव का प्रयोग करके अयूब और उसकी सम्पत्ति को नाश करने का प्रयास किया। जब मौसम सम्बन्धी घटनाएं हों तो परमेश्वर को दोषी न ठहराएं, क्योंकि परमेश्वर हर समय भला है। यह मौसम सम्बन्धी घटनाओं के पीछे शैतान का काम हो सकता है अथवा प्रकृति के नियम काम कर रहे होते हैं।

ऐसा नहीं है कि परमेश्वर एक दिन भला है और दूसरे दिन बुरा है। वह सदैव भला परमेश्वर है!

जब यीशु ने तूफान को डाँटा तो उसके बाद अपने चेलों की ओर मुड़कर उसने यह नहीं पूछा कि वे उस दिन कलीसिया में क्यों नहीं गए। जो उसने पूछा वह यह था, "तुम्हारा विश्वास कहाँ गया?" भयंकर तूफानों के बीच, वह जानता था कि उसके चेले विश्वास में खड़े होकर इसके ऊपर अधिकार कर सकते थे। इसी प्रकार हममें से कुछ लोग अपने जीवनों में

तूफानों से घिर गए हैं और शायद परमेश्वर को दोष दे रहे हैं। परमेश्वर को दोष देना बन्द कर दें! आइए, उनके ऊपर अधिकार लें; खड़े हों और कहें कि हम उन्हें दबाते हैं उस विश्वास के द्वारा जो हमारे भले परमेश्वर में है। यह हमारा भला परमेश्वर नहीं है जो हमारे जीवनों को तूफानों में डुबोने का कारण होता है। परमेश्वर ने कुछ समय के लिए शैतान को इस पृथ्वी पर काम करने की अनुमति दी है परन्तु उसने हमें छोड़ा नहीं है कि हम असहाय हो जाएं। उसने हमें विश्वास दिया है, एक हथियार जो पहनने के लिए है और अपना वचन जिसके द्वारा हम एक जयवन्त मसीही जीवन जी सकते हैं।

चूंकि परमेश्वर एक न्यायी परमेश्वर है इसलिए एक न्याय और दण्ड की भी धारणा है। परन्तु ये उस समय के लिए हैं जब हम परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करते और उसकी सीमाओं से बाहर जाते हैं।

परमेश्वर की इच्छा है कि हम उसकी आराधना करें क्योंकि वह इसके योग्य है; (उसे धन्यवाद दें और उसकी प्रशंसा करें) हम उसके अनुसार जीवन जीते हैं कि वह कैसा है; (वह पवित्र है, इसलिए हमें भी पवित्र होना है, वह भला है अतः हमें भी एक दूसरे के प्रति भला होना है। हमारी जीवन चर्या और व्यवहार हमारे भले परमेश्वर की समानता में होना चाहिए और हमें उसकी परिपूर्णता को अनुभव करना है जैसा वह है क्योंकि वह चाहता है कि हम उसकी परिपूर्णता प्राप्त करें।) *"क्योंकि उसकी परिपूर्णता से हम सब ने प्राप्त किया अर्थात् अनुग्रह पर अनुग्रह"* (यूहन्ना 1:16)।

हम अपने जीवनों में परमेश्वर की भलाई का अनुभव कर सकते हैं। *"निश्चय भलाई और करुणा जीवन भर मेरे साथ साथ बनी रहेंगी"* (भजन संहिता 23:6अ)।

क्या आप उस परमेश्वर को जानते हैं जो आपसे प्रेम करता है?

दो हज़ार साल पहले, परमेश्वर इस संसार में मनुष्य बनकर आया। उसका नाम यीशु है। उसने पूर्ण रूप से निष्पाप जीवन बिताया। यीशु देहधारी परमेश्वर था, इसलिए जो कुछ उसने कहा और किया, उसके द्वारा उसने परमेश्वर को हम पर प्रगट किया। जिन वचनों को उसने कहा, वे परमेश्वर के वचन थे। जिन कामों को उसने किया, परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने इस पृथ्वी पर कई सामर्थ के काम किए। उसने बीमारों को और पीड़ितों को चंगा किया। उसने अन्धों की आंखें खोलीं, बहरे कानों को खोल दिया, लंगड़े चलने लगे। उसने हर प्रकार के रोगों और बीमारियों को चंगा किया। उसने आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही रोटियां बहुगुणित कर भूखों को खिलायी, आंधी को थामा और कई आश्चर्यकर्म किए।

ये सारे कार्य हमें दिखाते हैं कि यीशु अच्छा परमेश्वर है, जो चाहता है कि उसके लोग भले, चंगे स्वस्थ और खुश रहें। परमेश्वर लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है।

फिर परमेश्वर ने क्यों मनुष्य बनने का और हमारे संसार में आने का निर्णय लिया? यीशु क्यों आया?

हम सबने पाप किया है और ऐसे कामों को किया है जो हमें उत्पन्न करने वाले परमेश्वर के सम्मुख अस्वीकारणीय हैं। पाप के परिणाम हैं। पाप परमेश्वर और हमारे बीच एक ऊंची दीवार है जिसे हम लांघ नहीं सकते। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उस परमेश्वर को जानने और उसके साथ, जिसने हमें बनाया है, अर्थपूर्ण रिश्ता बनाए रखने से रोकता है। इसलिए, हम में से कई लोग अन्य बातों का सहारा लेकर इस खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं।

हमारे पापों का अन्य परिणाम है। परमेश्वर से अनंतकाल तक अलगाव। परमेश्वर की अदालत में, पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से दूर नर्क में अनंतकाल का अलगाव है।

परंतु सुसमाचार यह है कि हम पाप से मुक्ति पाकर परमेश्वर से फिर मेल कर सकते हैं। बाइबल कहती है, ***"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है"*** **(रोमियों 6:23)।** यीशु ने सम्पूर्ण जगत के पापों का दण्ड सहा, वह क्रूस पर मर गया। फिर तीसरे दिन वह जी उठा, और उसने कइयों को खुद को जीवित दिखाया और वह स्वर्ग पर चढ़ गया।

परमेश्वर प्रेमी और दयालु है। वह नहीं चाहता कि हममें से कोई व्यक्ति नर्क में नाश हो। और इसलिए वह सम्पूर्ण मानवजाति को पापों और उसके परिणामों से मुक्ति

का मार्ग दिखाने के लिए आया। वह पापियों को बचाने के लिए आया—आपके और मेरे जैसे लोगों को पाप और अनंतकाल की मृत्यु से बचाने के लिए।

पापों की यह मुफ्त क्षमा पाने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है—जो कुछ प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर किया उसे ग्रहण करना और उस पर सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करना।

"जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी" **(प्रेरितों के काम 10:43)।**

"कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा" **(रोमियों 10:9)।**

यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, तो आप भी पापों की क्षमा और शुद्धता पा सकते हैं।

प्रभु यीशु मसीह में और जो कुछ उसने आपके लिए क्रूस पर किया उस पर विश्वास करने हेतु निर्णय लेने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक सरल प्रार्थना दी गई है। इस प्रार्थना की सहायता से आप जो कुछ यीशु ने आपके लिए किया, उसे ग्रहण कर सकते हैं और क्षमा और पापों से शुद्धि पा सकते हैं। यह प्रार्थना मात्र मार्गदर्शन के लिए है। आप अपने शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

प्रिय प्रभु यीशु, जो कुछ आपने क्रूस पर किया उसे मैंने आज समझा है। आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे लिए बहुमूल्य लहू बहाया और मेरे पापों का दण्ड चुकाया, ताकि मुझे क्षमा मिल सके। बाइबल बताती है कि जो कोई आप पर विश्वास करेगा वह अपने पापों से क्षमा पाएगा।

आज, मैं आप में विश्वास करने का और क्रूस पर मेरे लिए मरकर और फिर मरे हुओं में से जी उठकर जो कुछ आपने मेरे लिए किया उसे ग्रहण करने का निर्णय लेता हूं। मैं जानता हूं कि मैं अपने भले कामों से खुद को बचा नहीं सकता, न ही और कोई मनुष्य मुझे बचा सकता है। मैं अपने पापों की क्षमा मोल नहीं ले सकता।

आज, मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूं और अपने मुंह से कहता हूं कि आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे पापों का दण्ड चुकता किया। आप फिर मरे हुओं में से जी उठे, और आपमें विश्वास करने के द्वारा, मैं पापों की क्षमा और मेरे पापों से शुद्धता पा सकता हूं।

धन्यवाद यीशु। आपसे प्रेम करने, आपको अधिकाई से जानने और आपके प्रति विश्वासयोग्य रहने में मेरी सहायता कीजिए। आमीन।

ऑल पीपल्स चर्च के विषय में

ऑल पीपल्स चर्च (एपीसी) का दर्शन बैंगलोर शहर में नमक और ज्योति, और भारत देश और संसार के राष्ट्रों के लिए एक आवाज़ बनना है।

आल पीपल्स चर्च यीशु से **प्रेम रखने वाली, वचन पर केन्द्रित, आत्मा से भरपूर परिवारिक कलीसिया,** एक प्रशिक्षण संस्थान, मिशन आधार, संसार में सुसमाचार करने वाली कलीसिया है

- एक **पारिवारिक कलीसिया** के रूप में, हम मसीह केंद्रित संगति में एक समुदाय के रूप में एक साथ बढ़ते हैं, परमेश्वर की मण्डली के रूप में प्रेम में एक दूसरे की देखभाल और सेवा करते हैं।
- एक **सुसज्जित करने वाले केंद्र** के रूप में हम प्रत्येक विश्वासी को विजयी रूप से जीने, मसीह की समानता में परिपक्व होने और उनके जीवनों के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सामर्थी बनाते हैं और सुसज्जित करते हैं।
- एक **मिशन के आधार** के रूप में हम अपने शहर, राष्ट्र और राष्ट्रों को परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ के अलौकिक प्रदर्शनों के माध्यम से यीशु मसीह के पूर्ण सुसमाचार के साथ आशीष देने के लिए सार्थक सेवकाई में संलग्न हैं।
- एक **विश्व सुसमाचार प्रचारक** के रूप में हम ईश्वरीय अगुवों और आत्मा से भरी कलीसियाओं का पोषण करके स्थानीय और विश्व स्तर पर सेवा करते हैं जो परमेश्वर के राज्य के लिए उनके क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं।

एपीसी में हम परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन बिना किसी समझौता के साथ पवित्र आत्मा के अभिषेक और प्रकाशन के साथ प्रस्तुत करने के प्रति समर्पित हैं। हमारा विश्वास है कि अच्छा संगीत, रचनात्मक प्रस्तुति, बुद्धिमानीपूर्ण पक्ष समर्थन, समकालीन सेवकाई की तकनीकें, आधुनिक तंत्रविज्ञान आदि पवित्र आत्मा के चिन्हों, चमत्कारों, आश्चर्यकर्मों और पवित्र आत्मा के वरदानों के साथ वचन की घोषणा करने की परमेश्वर द्वारा नियुक्त पद्धति का स्थान नहीं ले सकते (1 कुरिन्थियों 2:4,5; इब्रानियों 2:3,4)। हमारा विषय यीशु है, हमारी विषयवस्तु वचन है, हमारी पद्धति पवित्र आत्मा की सामर्थ है, हमारा आवेश लोग हैं, और हमारा लक्ष्य मसीह सदृश्य परिपक्वता है।

हमारा मुख्यालय बैंगलोर में है, परंतु ऑल पीपल्स चर्च की भारत की अन्य कई स्थानों में शाखाएं हैं। ऑल पीपल्स चर्च की वर्तमान सूची और सम्पर्क सूचना के लिए कृपया हमारी वेबसाईट को भेंट दें: **apcwo.org/locations** या इस पते पर ई-मेल भेजें: **contact@apcwo.org**

ऑल पीपल्स चर्च के प्रकाशन

A Church in Revival
A Real Place Called Heaven
A Time for Every Purpose
Ancient Landmarks
Baptism in the Holy Spirit
Being Spiritually Minded and Earthly Wise
Biblical Attitude Towards Work
Breaking Personal and Generational Bondages
Change
Code of Honor
Divine Favor
Divine Order in the Citywide Church
Don't Compromise Your Calling
Don't Lose Hope
Equipping the Saints
Foundations (Track 1)
Fulfilling God's Purpose for Your Life
Gifts of the Holy Spirit
Giving Birth to the Purposes of God
God Is a Good God
God's Word—The Miracle Seed
How to Help Your Pastor
Integrity
Kingdom Builders
Laying the Axe to the Root
Living Life Without Strife
Marriage and Family
Ministering Healing and Deliverance
Offenses–Don't Take Them
Open Heavens
Our Redemption
Receiving God's Guidance
Revivals, Visitations and Moves of God
Shhh! No Gossip!
Speak Your Faith
The Conquest of the Mind
The Father's Love
The House of God
The Kingdom of God
The Mighty Name of Jesus
The Night Seasons of Life
The Power of Commitment
The Presence of God
The Redemptive Heart of God
The Refiner's Fire
The Spirit of Wisdom, Revelation and Power
The Wonderful Benefits of Speaking in Tongues
Timeless Principles for the Workplace
Understanding the Prophetic
Water Baptism
We Are Different
Who We Are in Christ
Women in the Workplace
Work Its Original Design

नई पुस्तकें नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं। पी. डी. एफ., आडियो तथा अन्य फॉर्मेट में निःशुल्क ए. पी. सी. पुस्तकों को डाऊन लोड करने हेतु कृपया **apcwo.org/books** को भेंट दें। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। वैसे ही, निःशुल्क ऑडियो और वीडियो संदेशों, संदेश की टिप्पणियों, और अन्य कई संसाधनों के लिए हमारे वेबसाईट **apcwo.org/sermons** को भेंट दें।

क्रिसलिस परामर्श

क्रिसलिस काउंसलिंग लोगों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और उन्हें दूर करने में मदद करने हेतु व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है। क्रिसलिस परामर्श व्यावसायिक तौर प्रशिक्षित और अनुभवी मसीही सलाहकारों की एक टीम है।

हमारी सेवाएं सभी आयु समूहों के लिए हैं और जीवन की चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला का समाधान करती हैं।

किशोरों	**व्यवहार सम्बंधी विकार**
व्यक्तिगत समायोजन	**व्यक्तित्व विकार**
संबंधपरक चुनौतियां	**मनोवैज्ञानिक / भावनात्मक समस्याएं**
शिक्षा में कम सफलता पाने वाले	**तनाव / आघात**
कार्य संबंधित मुद्दे	**शराब / नशीली दवाओं का गलत इस्तेमाल**
परिवार /दम्पत्तिः विवाह पूर्व, वैवाहिक	**आत्मिक समस्याएं**
माता-पिता / बच्चे / भाई-बहन / सहकर्मी	**ज़िंदगी की सीख**

क्रिसलिस परामर्श सेवाओं के लिए शुल्क सस्ती और सुलभ है।

हमारे प्रशिक्षित सलाहकारों में से किसी एक के साथ मुलाकात तय करने के लिए:

Website: chrysalislife.org
Phone: +91-80-25452617 or toll-free (within India) 1-800-300-00998
Email: counselor@chrysalislife.org

क्रिसलिस काउंसलिंग ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच की सेवकाई है।

ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें

ऑल पीपल्स चर्च स्थानीय कलीसिया के रूप में सम्पूर्ण भारत में सुसमाचार प्रचार करते हुए, विशेषकर उत्तर भारत में, उसकी सीमाओं से परे सेवा करता है। उसका विशेष लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (ब) जवानों को सेवकाई के लिए सुसज्जित करना और (क) मसीह की देह की उन्नति करना है। जवानों के लिए कई प्रशिक्षण सम्मेलन, मसीही अगुवों के लिए सभाओं का सम्पूर्ण वर्ष भर आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों की कई हजारों प्रतियां अंग्रेजी में और अन्य कई भारतीय भाषाओं में निःशुल्क वितरीत की जाती हैं, उसके पीछे उद्देश्य यह है कि विश्वासियों को वचन और आत्मा में उन्नति प्रदान करें।

हम आपको निमंत्रण देते हैं कि एक समय का दान भेजकर या मासिक आर्थिक दान भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ साझेदारी करें। सम्पूर्ण राष्ट्र में इस का कार्य के लिए जो भी रकम आप भेज सकते हैं, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

आप अपने दान चेक/बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से "ऑल पीपल्स चर्च," बैंगलोर के नाम पर हमारे कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा हमारे बैंक खाते के विवरण का उपयोग कर आप अपना योगदान सीधे बैंक में डाल सकते हैं।

Account Name: All Peoples Church

Account Number: 50200068829058

IFSC Code: HDFC0004367

Bank: HDFC Bank, 7M/308 80 Ft Road, HRBR Layout, Kalyan Nagar, Bengaluru, 560043, Karnataka

कृपया ध्यान दें: *ऑल पीपल्स चर्च केवल भारतीय नागरिकों के बैंक योगदान ही स्वीकार कर सकता है। यदि आप चाहते हैं तो, अपना दान भेजते समय, स्पष्ट रूप से लिखें कि आप एपीसी सेवकाई के किस क्षेत्र के लिए दान भेजना चाहते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया इस स्थान को भेंट दें:* **apcwo.org/give**

उसी तरह, हमारे लिए और हमारी सेवकाई के लिए जब भी हो सके, प्रार्थना करना न भूलें।

धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे!

DOWNLOAD THE FREE APP!

Search for

"All Peoples Church Bangalore"
in the App or Google play stores.

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google play

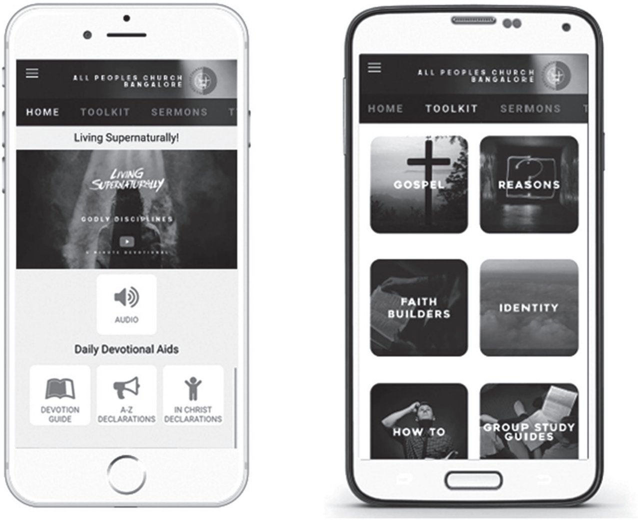

A daily 5-minute video devotional.
A daily Bible reading and prayer guide.
5-minute Sermon summary.
Toolkit with Scriptures on various topics to build faith and information to share the Gospel.
Resources with sermons, sermon notes, TV programs, books, music and more.

IF YOU LOVE IT, TELL OTHERS ABOUT IT!

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज एंड वर्ल्ड आउटरीच

apcbiblecollege.org

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज और सेवा प्रशिक्षण केंद्र (एपीसी-बीसी) भारत केबैंगलोर में आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, सक्रिय सेवकाई में सहभागी प्रशिक्षण और सिद्धांत की दृष्टि से सही एवं परमेश्वर के वचन के बौद्धिक दृष्टि से प्रेरणादायक अध्ययन के साथ पवित्र आत्मा की अलौकिक सामर्थ में सेवकाई केलिए तैयारी प्रदान करता है। हम सेवकाई के लिए सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में विश्वास करते हैं और ईश्वरीय चरित्र, परमेश्वर के वचन में गहरी बुनियाद, और चिन्ह, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों पर ज़ोर देते हैं—सब कुछ प्रभु के साथ निकट रिश्ते से प्रवाहित होता हुआ।

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज (एपीसी-बीसी) में सही शिक्षा के अतिरिक्त, हम प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के प्रेम, पवित्र आत्मा का अभिषेक और उपस्थिति और परमेश्वर के अलौकिक कार्य पर बल देते हैं। कई युवा स्त्री और पुरुषों ने प्रशिक्षण पाया है और उनके जीवनों में परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने हेतु उन्हें बाहर भेजा गया है।

निम्नलिखित तीन पदवियां दी जाती हैं:

- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में एक वर्षीय प्रमाणपत्र (सी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में दो वर्षीय डिप्लोमा (डी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में तीन वर्षीय स्नातक (बी.टी.एच.)

हर सप्ताह के दिन, **सोमवार से शुक्रवार तक भारतीय समय के अनुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक** (UTC+**5:30**) कक्षाएं ली जाती हैं।

- **ऑन-कैंपस:** कैंपस में व्यक्तिगत कक्षाओं में भाग लें
- **ऑनलाइन:** ऑनलाइन लाइव व्याख्यान में भाग लें
- **ई-लर्निंग:** ऑनलाइन पोर्टल **apcbiblecollege.org/elearn**

के माध्यम से स्वयं की गति से सीखना ऑनलाइन आवेदन करने केलिए, और कॉलेज, पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, शिक्षण शुल्क और आवेदन पत्र डाउनलोड करने के बारे में अधिक जानकारी केलिए, कृपया इस वेबसाइट को भेंट दें: **apcbiblecollege.org**

परमेश्वर के विषय में हमारी तस्वीर विभिन्न स्त्रोतों के द्वारा विकसित होती है-अन्य लोगों ने परमेश्वर के विषय क्या कहा है, हमारे अनुभवों, आभासों, अध्ययन, विश्लेषण आदि के परिणाम। परन्तु इनमें से सब बातें ठीक नहीं हो सकती हैं। पिछले अनुभवों के आधार पर हम परमेश्वर के विषय में बहुत से पक्षपातपूर्ण विचार, विशुद्ध धारणाएँ और गलत अर्थ रखते हैं कि परमेश्वर कौन है, वह क्या और कैसे काम करता है। कभी-कभी तो जो हमने धार्मिक स्थलों पर, और धार्मिक पुस्तकों में पढ़ा है वह भी परमेश्वर को गलत रूप से प्रस्तुत करता है और परिणामस्वरूप परमेश्वर की तस्वीर हमारे समक्ष गलत होती है। कई बार हम यह भी सोचते हैं कि परमेश्वर निर्दयी और बड़ा कठोर है।

यह पुस्तक परमेश्वर की एक ताजा तस्वीर बनाती है, बाइबल से यह प्रकट करते हुए कि परमेश्वर एक भला परमेश्वर है।

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: contact@apcwo.org
Website: apcwo.org